केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो 'भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 266 शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम ने किया मण्डी यार्ड का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने नवीन मण्डी में स्थित गेहूँ क्रय केन्द्र मण्डीयार्ड–सी व एफ का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि केन्द्र पर किसानों का गेहूँ तौल किया जा रहा है। उन्होने देखा कि केन्द्र पर लक्ष्य के सापेक्ष 05 प्रतिशत गेहूं क्रय किया गया है, जो सबसे न्यूनतम है। मण्डी व पूरे जनपद का गेहूँ क्रय का प्रतिशत ठीक नहीं पाया गया। इस स्थिति पर उन्होने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को निर्देश दिया कि गेहूँ का क्रय युद्धस्तर पर करवायें। यदि चार दिन के अन्दर गेहूं क्रय का प्रतिशत ठीक नहीं हुआ, तो कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पुलिस और पशु तस्करों के बीच फायरिंगः एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गुरुवार तड़के पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। हरैया–बभनान मार्ग पर स्थित महिला महाविद्यालय के पास पुलिस और तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई। तस्करों ने पुलिस पर दो राउंड फायरिंग की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। थाना हरैया की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी कर रहे हैं। पुलिस ने चेकिंग अभियान शुरू किया। सुबह के समय एक संदिग्ध महिंद्रा पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया। वाहन में सवार तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तस्करों को मौके पर ही दबोच लिया।
मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक कार और मवेशियों से भरी महिंद्रा पिकअप बरामद की। पकड़े गए तस्करों से पूछताछ जारी है। पुलिस उनके आपराधिक नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

बेटी की शादी से पहले घर में लगी आग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
हरैया (बस्ती)। विक्रमजोत ब्लॉक के खजूरी गांव में बुधवार को लगी आग से कई परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। हरिप्रसाद के घर में बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। आग में दहेज का सामान, दो मोटरसाइकिल और अनाज जलकर राख हो गया। हरिप्रसाद की बेटी की शादी 27 अप्रैल 2025 को निर्धारित है।आग की चपेट में पिंटू पेंटर सहित कई लोगों की झुग्गियां आ गईं। रामदीन की एक भैंस झुलस गई और उनका छप्पर पूरी तरह जल गया। सुशीला, हेमलता और संतराम सहित अन्य ग्रामीणों का घरेलू सामान और अनाज भी आग की भेंट चढ़ गया।दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पीड़ित परिवारों ने सरकार से राहत और मुआवजे की मांग की है।

भारत के तेवर से बौखलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली (आभा)। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बैसारन घाटी, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से जाना जाता है, वहां हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 17 से अधिक लोग घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर–ए–तैयबा के सहयोगी संगठन 'द रजिस्टेंस फ्रंट' ने ली है। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, 1960 की सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए हैं। भारत जल्द ही कई और बड़े कदम उठा सकता है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर का दौरा करेंगे। सैन्य सूत्रों ने बताया कि शीर्ष सैन्य कमांडर सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर जनरल द्विवेदी को जानकारी देंगे। वहीं राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई जिसें मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

पहलगाम हमले के बाद भारत के एक के एक एक्शन से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस बीच उसने एक और कायरना हरकत की है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया है कि पाकिस्तान रेंजर्स ने बीएसएफ के एक जवान को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक जवान ने गलती से पंजाब की सीमा पार कर ली थी। एक अधिकारी ने बताया कि जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों की सेना के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि 182वीं बटालियन के कांस्टेबल पीके सिंह को बुधवार को फिरोजपुर सीमा पार से पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने बताया कि जवान वर्दी में था और उसके पास सर्विस राइफल भी थी। उन्होंने बताया कि बीएसफ जवान किसानों के साथ था और वह छाया में आराम करने के लिए आगे बढ़ा, जिसके बाद उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच 'फ्लैग मीटिंग' जारी है। अधिकारी के मुताबिक ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं और दोनों पक्षों के बीच पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। अधिकारी ने यह भी बताया कि यह घटना पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई है।

ब्लड बैंक के स्थापना दिवस पर 43 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुरुवार को पचपेडिया मार्ग स्थित बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक का प्रथम स्थापना दिवस संकल्पो के साथ मनाया गया। इस मौके पर 43 लोगों ने मानवता की सेवा के लिये रक्तदान किया।
स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भाजपा नेता अंकुर वर्मा, राना दिनेश प्रताप सिंह, आशीष शुक्ल, कुलवेन्द्र सिंह मजहबी, भानु प्रकाश मिश्र आदि ने कहा कि मानवता की सेवा में ब्लड बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक वर्ष की अवधि में बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक ने लोगों का भरोसा जीता है। शुभम मिश्र ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।
कार्यक्रम में विजय सिंह, शिवम मिश्र, आलोक कुमार चौधरी, मुकेश कुमार, डी.पी. यादव, विजय कुमार शुक्ल, रुकुमसेन, ओम प्रकाश मिश्र, संजय पाण्डेय, नवीन श्रीवास्तव, डा. नवीन सिंह के साथ ही विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक संगठनों के लोग, चिकित्सक, फार्मासिस्ट आदि उपस्थित रहे।

दबंगों ने बंजर जमीन पर रख लिया टीन शेड, पीड़िता ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । नगर थाना के कोठवा भरतपुर निवासिनी रंजना पत्नी शिवाकान्त ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में रंजना ने कहा है कि कोठवा भरतपुर गांव में गाटा संख्या 300 बंजर भूमि है जिस पर गांव के ही दयाशंकर पुत्र राजाराम यादव, शिव सहाय पुत्र आदि ने राजस्व और कुछ पुलिस कर्मियों की मिली भगत से पक्का निर्माण करा लिया है। जब उसने इसकी सूचना नगर थाने पर दिया तो पुलिस ने उसके पति शिवाकान्त को लाकप में बंद कर दिया और घर पर पहुंचे नगर थाने के दो सिपाहियों ने बच्चों को डरा धमकाकर घर में बंद कर दिया। इस दौरान दयाशंकर आदि ने बंजर की जमीन पर टीन शेड रखवा लिया।
रंजना ने बंजर की जमीन से अवैध अतिक्रमण हटवाने, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

पहलगाम में पर्यटकों की हत्या से आक्रोश प्रधानाचार्यों ने सरकार से किया कड़े कदम उठाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की बेहद कायराना हरकत है। सरकार को मानवता के दुश्मन इन आतंकियों का दमन करने के लिए निर्णायक अभियान छेड़ना चाहिए। यह मांग गुरुवार को स्काउट भवन समागार में आयोजित प्रधानाचार्य परिषद की जनपदीय कार्यकारिणी की बैठक में एक स्वर से उठायी गई।
संरक्षक मारकण्डेय सिंह,डा संजय सिंह, अध्यक्ष योगेश शुक्ल व मंत्री डा हरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस अमानवीय कृत्य से आतंकियों की हताशा उजागर हुई है। कोषाध्यक्ष डा विद्याधर वर्मा,उपाध्यक्ष डा मनोज सिंह,डा केडी द्विवेदी,मनोज कुमार सिंह,संजय द्विवेदी, धर्मेन्द्र कुमार,संयुक्त मंत्री डा प्रमोद उपाध्याय व विजय कुमार,सदस्य कार्यकारिणी कौशलेंद्र मिश्र ने कहा कि अब सरकार के कड़े फैसले से ही आतंकियों के हौसले पस्त होंगे।
बैठक के दौरान विभिन्न सांगठनिक मुद्दों पर चर्चा हुई। तदर्थ पदोन्नति सहित संगठन की चौदह सूत्रीय मांगों के लिए शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों के अनुरूप निर्णायक अभियान छेड़ने पर सहमति जताई गई। यह भी तय किया गया कि जल्द ही मंडलीय सम्मेलन व शैक्षिक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसमें सेवानिवृत्त प्रधानाचार्यों का सम्मान और नवीन कार्यभार ग्रहण करने वाले प्रधानाचार्यों का स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। अंत में दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में डा सुरभि सिंह,बीरेंद्र सिंह,सर्वेंद्र नारायण द्विवेदी,डा विनोद राय,चन्द्रमा कौशिक पाण्डेय,सुधीर कुमार,संतोष कुमार पाण्डेय,धनंजय वर्मा, विनोद प्रकाश वर्मा, अरुण मिश्रा , आज्ञाराम चौधरी आदि ने हिस्सा लिया।

1164 मृतक आश्रितों को नौकरी देगी योगी सरकार

नई दिल्ली (आभा)। परिवहन निगम में करीब आठ साल से इंतजार कर रहे 1164 मृतक आश्रितों की भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। इन आश्रितों को नौकरी देने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने गुरुवार को मंजूरी दे दी। सार्वजनिक उपक्रमों व निगमों में मृतक आश्रितों की नियुक्ति पर 11 जुलाई, 2003 में रोक लगा दी गई थी। इस निर्णय के बाद इन आश्रितों की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्दी ही शुरू कर दी जाएगी।
उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में 1164 मृतक आश्रित की भर्ती करने की मांग काफी समय से चल रही थी। 22 साल पहले निगमों

में ऐसी भर्तियों पर रोक लगने की वजह से इनकी नियुक्तियां नहीं हो पा रही थी। पिछले महीने परिवहन निगम मुख्यालय पर इन आश्रितों ने धरना भी दिया था। उस समय निगम के जीएम कार्मिक अशोक कुमार ने जीएम संचालन अंकुर विकास से इस बारे में पूरी रिपोर्ट देने को कहा था।
परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी इन भर्तियों को जल्दी ही पूरा कराने का आश्वासन दिया था। निगम से इस बार खाली पदों के साथ ही मृतक आश्रित पदों की नियुक्तियां कराने का प्रस्ताव कैबिनेट भेजा गया था। कैबिनेट में अभी मृतक आश्रितों के पदों पर नियुक्तियां करने की अनुमति दे दी गई। निगम के जनसंपर्क अधिकारी व एआरएम अमर सहाय ने बताया कि अनुकम्पा के आधार पर 1164 मृतक आश्रितों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति मिल गई है। जल्दी ही इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च, मृतकों को दिया श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों ने गुरुवार को पैदल कैंडल मार्च निकाला। मार्च हरैया बभनान चौराहे से शुरू हुआ व बाजार के अंदर से होते हुए मनोरमा नदी के पुल तक पहुंचा। यहां सभी लोगों में आतंकी हमले को लेकर गहरा आक्रोश देखा गया। सभी ने आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग सरकार से की। आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्मा शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। लोगों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश साथ है, पूरा भारत एक है। बैनर हाथ में लेकर कैंडल मार्च किया साथ ही, पीड़ित परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। भाजपा नेता राजेश द्विवेदी और शक्ति दीप पाठक ने कहा कि ने कहा कि जम्मू–कश्मीर की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर टिकी है। यह पहली बार है कि पर्यटकों पर इस तरह का कायराना हमला हुआ है।केंद्र सरकार

को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और राजनीतिक बयानबाजी के बजाय सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो। सभासद धर्मध्वज सिंह और भाजपा नेता अतुल तिवारी ने पर्यटकों पर हुए हमले को कायराना कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने धर्म पूछकर पर्यटकों को गोली मारी। यह कायरतापूर्ण घटना कभी नहीं भुलाई जा सकती।
कैंडल मार्च में मुख्य रूप से विमेंद्र सिंह, संतोष मोदनवाल, गिरिजेश बहादुर सिंह, विकास कांत पाण्डेय, राकेश सिंह, सर्वदेव सिंह, राम सागर वर्मा, दिनेश तिवारी, विवेक कांत पाण्डेय, आदित्य सिंह, मनोज मिश्र, अजीत सिंह, संतोष, दिनेश तिवारी, धर्मेंद्र गुप्ता, लाल महेश मौर्या, चिन्मय राय, अतुल पाण्डेय, सूर्य प्रकाश सिंह, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, प्रमोद, अमरचंद, अशोक वर्मा, राज पाण्डेय, वेद प्रकाश मिश्र, उत्तम मिश्र, संजीव सिंह, सुनील शुक्ल, मनोज द्विवेदी, प्रभात रंजन, सुभाष वर्मा, बृजेश ओझा सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

मानव एकता दिवस पर 68 ने किया रक्तदान

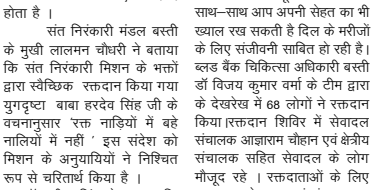

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मानव एकता दिवस पर निरंकारी भक्तों द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन निकट पाण्डेय बाजार डुमरियागंज रोड पर कुल 68 लोगों ने रक्तदान किया ।
रक्तदान शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ला ने किया । कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार साल में कम से कम एक बार रक्तदान करने से हार्ट अटैक की संभावना 88ः तक काम हो जाती है खून में आयरन की अधिक मात्रा ब्लड वेसल्स को ब्लॉक कर देती है जिसकी वजह से हार्ट अटैक की संभावनाएं बढ़ जाती है ऐसे में ब्लड डोनेट करने से शरीर में एक्स्ट्रा आयरन रिलीज होता है और आपको स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।
विशिष्ट अतिथि प्रमुख अधीक्षक डॉ० खालिद रिजवान अहमद (एस आई सी) ने बताया की मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद रक्तदान करना शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जितना महत्वपूर्ण है उतना ही यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है ।
संत निरंकारी मंडल बस्ती के मुखी लालमन चौधरी ने बताया कि संत निरंकारी मिशन के भक्तों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी के वचनानुसार 'रक्त नाड़ियों में बहे नालियों में नहीं ' इस संदेश को मिशन के अनुयायियों ने निश्चित रूप से चरितार्थ किया है ।
डॉ नवीन सिंह ने बताया कि संत निरंकारी मिशन विश्व में सबसे ज्यादा ब्लड डोनेशन करती है। शरीर को स्वस्थ रखने का यह एक बेहतर तरीका है जिसमें दूसरों की सेहत के साथ–साथ आप अपनी सेहत का भी ख्याल रख सकती है दिल के मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। ब्लड बैंक चिकित्सा अधिकारी बस्ती डॉ विजय कुमार वर्मा के टीम द्वारा के देखरेख में 68 लोगों ने रक्तदान किया।रक्तदान शिविर में सेवादल संचालक आज्ञाराम चौहान एवं क्षेत्रीय संचालक सहित सेवादल के लोग मौजूद रहे । रक्तदाताओं के लिए फलाहार , पेयजल एवं लंगर प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

घूस और फर्जी डिग्री का खेल, 48 केमिस्ट गिरफ्तारःफर्जी तरीके से चला रहे थे फार्मेसी

नई दिल्ली (आभा)। 45 साल के मदन मंडल एक ऐसी नौकरी की तलाश में थे जिसे वह 'सम्मानजनक नौकरी' कह सकते। उत्तर–पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेयरी में रहने वाला अपनी खुद की दुकान खोलना चाहता था और उसे लगा कि फार्मेसी चलाना एक अच्छा विकल्प होगा। लेकिन उसके सामने केवल एक समस्या थी– मैट्रिक डिग्री। डिग्री नहीं होने की वजह से वह फार्मेसी डिप्लोमा नहीं कर सकता था जोकि केमिस्ट की दुकान चलाने के लिए जरूरी है। इसी के आधार पर फार्मेसी पंजीकरण प्रमाणपत्र मिलता है।
ऐसे में मंडल ने अपना पंजीकरण दूसरे तरीके से करवाने का विकल्प चुना– उसने एक दलाल को 'पैकेज डील' के लिए 4 लाख रुपये दिए। कुछ ही दिनों में उसे मैट्रिकुलेशन और डिप्लोमा के फर्जी सर्टिफिकेट मिल गए। ढाई महीने बाद, दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (डीपीसी) ने उसे रजिस्ट्रेशन नंबर जारी कर दिया। मामले की जांच करने वाले जांचकर्ताओं के अनुसार, रजिस्ट्रेशन

नंबर मिलने पर उसने टिकरी में अवैध रूप से फार्मेसी चलाना शुरू कर दिया।
मंडल देश भर में फर्जी तरीके से फार्मेसियां चलाने वाले हजारों लोगों में से एक है। यह रैकेट 2 अप्रैल को तब जांच के दायरे में आया, जब दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने फर्जी फार्मेसी पंजीकरणों की व्यापक जांच के तहत पूर्व डीपीसी रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह सहित 48 लोगों को गिरफ्तार किया। एसीपी जसनैल सिंह के नेतृत्व वाली एसीबी टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों में नरेला का दलाल संजय कुमार और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का प्रिंसिपल इमलाख खान शामिल हैं।
एसीबी के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर मधुर वर्मा ने कहा, 'हमने दिल्ली में 35 फर्जी फार्मासिस्टों को गिरफ्तार किया है। आगे और भी गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।' दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर सुनील सिंघल ने गंभीर खतरों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अयोग्य लोग दवाइयां बेचकर नकली या खतरनाक रूप से गलत कॉम्बिनेशन देते हैं, खासकर तब जब मरीज डॉक्टरों के बजाय सीधे केमिस्ट पर निर्भर होते हैं।'
रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रदान करने के लिए डीपीसी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, काउंसिल फार्मेसी आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को उनके कॉलेज को पुष्टि के लिए ईमेल करके वेरिफाई करती है। यदि इस ईमेल द्वारा सत्यापित किया जाता है, तो रजिस्ट्रार पंजीकरण जारी करने से पहले एक छोटा सा इंटरव्यू लेता है। इस वेरिफिकेशन सिस्टम का फायदा कुमार और उसके सहयोगियों ने उठाया था।

आंगनवाडी नियुक्ति प्रकिया में मनमानी का आरोपः उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । नगर थाना क्षेत्र के मोहल्ला राजघाट निवासिनी सुधा पत्नी केदारनाथ ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाय है। पत्र में सुधा ने कहा है कि आंगनवाडी कार्यकत्री चयन प्रकिया में अनियमितता की गई है और मनगढन्त ढंग से षड्यंत्रपूर्वक उसे चयन से बाहर कर दिया गया।
पत्र में सुधा ने कहा है कि वह बीपीएल कार्ड धारक है और पात्रता सूची में है। उसने आंगनवाडी के लिये आवेदन किया था, पहले बताया गया कि उसका चयन हो जायेगा किन्तु लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ने उसकी आय को कागजों में बढा

दिया जबकि नगर थाना क्षेत्र के फुलवरिया निवासिनी लालमनी पत्नी प्रदीप कुमार का चयन कर लिया गया। सुधा ने पत्र में कहा है कि लालमनी पत्नी प्रदीप कुमार के पास स्कार्पियो, बुलेट मोटर साईकिल, अपाची, हीरो होण्डा, 2 मंजिला पक्का मकान, कैम्प कार्यालय के नाम पर बडा हाल मौजूद है जबकि सुधा और उसका परिवार घोर गरीबी में जीवन यापन करता है। वह आंगनवाडी कार्यकत्री की पूरी पात्रता पर खरा उतरती है। यही नहीं लालमनी का मकान नगर पंचायत वार्ड नम्बर 14 में दर्ज है और आंगनवाडी कार्यकत्री का चयन वार्ड नं. 15 से होना था। सुधा ने मांग किया है कि समूचे प्रकिया की उच्च स्तरीय जांच कराकर षड्यंत्र करने वाले लेखपाल के साथ ही अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराने के साथ ही नियमानुसार उसकी नियुक्ति सुनिश्चित किया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक

भारतीय बस्ती

बस्ती 25 अप्रैल 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

आतंकवाद और सरकार

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार–बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर–ए–तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर–ए–तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26ध्11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो–राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान– यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है।

बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर–सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश–विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू–कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे–ए–तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू–कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र को कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

त्रिभाषा फार्मूला का विरोध और संकीर्ण राजनीति

–विश्वनाथ सचदेव–

हिंदी हमारे देश की राजभाषा का नाम है, पर इसे एक और अर्थ में भी समझा जा सकता है– वह अर्थ है हिंदी यानी हिंदोस्तां का। अल्लामा इकबाल ने लगभग सवा सौ साल पहले लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा' आजादी की लड़ाई के दौरान ही हमारे स्वतंत्रता–सेनानियों ने हिंदी को पूरे देश की भाषा के रूप में मान्यता दे दी थी। फिर, जब संविधान के निर्माण का कार्य चल रहा था तो इस आधार पर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारे जाने की बात कही गई थी कि देश में हिंदी को समझने वालों की संख्या अन्य सभी भारतीय भाषाओं से अधिक है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं में हिंदी की वकालत करने वाले मुख्यतः अहिंदी भाषी नेता ही थे। हिंदी को राजभाषा घोषित किये जाने की मांग करने वालों में सबसे पहला नाम दक्षिण भारतीय विद्वान गोपालस्वामी अय्यंगर का है। उन्होंने ही गुजराती भाषी के.एम. मुंशी के साथ मिलकर इस आशय का प्रस्ताव संविधान सभा में रखा था, जिसे भरपूर समर्थन मिला।

जब हम आजाद हो गये तो यह बात एक स्वीकृत सत्य की तरह मान ली गयी थी कि अब देश का काम देश की भाषा–हिंदी में होगा। पर इसी बीच दक्षिण और उत्तर के नाम पर हिंदी को लेकर विवादास्पद बातें भी होने लगीं। दक्षिण में, विशेष कर तमिलनाडु में, यह भावना उठने लगी कि हिंदी के माध्यम से उत्तर भारत दक्षिण भारत पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लेगा। बात भले ही सांस्कृतिक आधिपत्य के रूप में की जा रही थी, पर यह भी सत्य है कि कथित 'हिंदी साम्राज्यवाद' की आशंका के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक वर्चस्व की आशंका भी थी। हालांकि ऐसा कुछ था नहीं। हिंदी की स्वीकार्यता की बात का आधार यही तथ्य था कि देश में हिंदी बोलने–समझने वालों की संख्या सर्वाधिक थी। हिंदी को राजभाषा बनाने का कदापि यह अर्थ नहीं था कि हिंदी देश की अन्य भाषाओं से कहीं बेहतर या ऊंची भाषा है। आज भी यदि ऐसी कोई भावना किसी में है, तो वह गलत है। हिंदी देश की, विशेष कर दक्षिण भारत की, भाषाओं से तुलना में कहीं कम समृद्ध है। हिंदी को तो मुख्यतरू इसलिए स्वीकारा गया कि इससे देश भर में संवाद कुछ आसान हो जायेगा। हिंदी वालों को, और गैर–हिंदी भाषियों को यह बात समझनी ही होगी कि हिंदी देश की बाकी भाषाओं की बड़ी बहन नहीं, एक सखी है। दोस्ती में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। सब बराबर होते हैं।

इसी भावना के साथ यह माना गया कि देश के लोगों को तीन भाषा तो सीखनी ही चाहिए– एक अपनी मातृभाषा, दूसरी अंग्रेजी, और तीसरी देश की कोई अन्य भाषा। हमारी नयी शिक्षा–नीति में भी यही सोचकर तीन भाषाओं की बात कही गयी। आशा और अपेक्षा यह थी कि दक्षिण वाले हिंदी सीख लेंगे, और उत्तर वाले कोई भारतीय भाषा। पर हिंदी वालों से यहां जानबूझकर या अनायास ही एक चूक हो गयी–उन्होंने तमिल या मलयालम या बांग्ला या कन्नड़ आदि भारतीय भाषाओं में से किसी एक को सीखने के बजाय संस्कृत को सीखना ज्यादा पसंद कर लिया। संस्कृत पढ़ने में कुछ गलत नहीं है, पर यह उस अपेक्षा के अनुरूप नहीं था जिसे आधार बनाकर त्रिभाषा फार्मूला लागू किया गया था। इसी अपेक्षा की पूर्ति के लिए नयी शिक्षादृ नीति में त्रिभाषा फार्मूला स्वीकारा गया। पर, दुर्भाग्य से अब भी दक्षिण, पूर्व या पश्चिम भारत वालों में से कुछ लोगों को इसमें 'हिंदी साम्राज्यवाद' की गंध आ रही है। इस सोच का नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में दिख रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने नयी शिक्षा– नीति में किये गये प्रावधान को स्वीकारते हुए स्कूली स्तर पर मातृभाषा, अंग्रेजी और हिंदी को अनिवार्य बनाया है। यह अनिवार्यता कुछ तत्वों को खल रही थी। यह तत्व अब भी इस गलतफहमी के शिकार हैं कि इस शिक्षा–नीति से उनकी मातृभाषा को नुकसान पहुंचाने का कोई षड्यंत्र रचा जा रहा है! हैरानी की बात तो यह है कि हिंदी सीखने–सिखाने का विरोध करने वाले यह तत्व अंग्रेजी को त्रिभाषा फार्मूले का हिस्सा बनने पर चुप हैं। बिना किसी ठोस आधार के उन्होंने एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, को तो सहज स्वीकार लिया है, पर अपने ही देश की एक भाषा, हिंदी, को स्वीकारने को वे 'थोपा जाना' मान रहे हैं। हकीकत यह है कि कल भी हिंदी का विरोध करने के पीछे राजनीतिक स्वार्थ थे, और आज भी राजनीतिक स्वार्थ ही महाराष्ट्र समेत देश के कुछ हिस्सों में हिंदी का विरोध करवा रहे हैं।

अंग्रेजी विश्व की एक प्रमुख भाषा है, इसमें कोई संदेह नहीं। अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से सीखना–समझना कहीं गलत नहीं है। पर इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, या नहीं किया जाना चाहिए, कि अंग्रेजी सारी दुनिया की नहीं, दुनिया के कुछ ही देश की भाषा है। जापान, जर्मनी, फ्रांस, चीन, रूस जैसे न जाने कितने ही देश हैं जिन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को अनुचित माना है। अपनी भाषा में काम–काज करने की उनकी जिद से उन्हें कहीं कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उल्टे उन्होंने इस जिद को अपनी अस्मिता के संदर्भ में समझा है। होना यह चाहिए था कि महाराष्ट्र में अंग्रेजी की अनिवार्यता पर सवाल किया जाता। विश्व–व्यापार के लिए अथवा अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से यदि अंग्रेजी सीखने की जरूरत है तो उनसे जुड़े लोग यह भाषा सीख लेंगेदृहर भारतीय को इसे सीखने की विवशता क्यों? इसलिए, विरोध यदि जरूरी है तो वह अंग्रेजी की अनिवार्यता का होना चाहिए। हिंदी का नहीं।

महाराष्ट्र में हिंदी सीखने–सिखाने के इस विरोध के पीछे बच्चों पर भाषाई–बोझ का तर्क भी दिया जा रहा है। मुख्य बात तो यह है कि भाषा बच्चों पर बोझ नहीं होतीं, बड़ों की तुलना में वह कहीं अधिक आसानी से भाषाएं सीख लेते हैं। फिर भी यदि किसी को तीन भाषाओं की अनिवार्यता बोझिल लग रही है तो विरोध एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, का होना चाहिए, अपने ही देश की सर्वाधिक बोली–समझी जाने वाली भाषा, हिंदी, का नहीं।

भाषा की राजनीति से कुछ राजनीतिक स्वार्थ भले ही सध जाते हों, पर यह राजनीति हमें टुकड़ों में बांटने वाली है। हमें तो इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हमारे पास इतनी सारी समृद्ध भाषाएं हैं। ये सारी भाषाएं हमारी पहचान हैं, हमारा गौरव हैं। हिंदी की अनिवार्यता से मराठी को नुकसान पहुंचाने के सोच वालों को यह समझना चाहिए कि हिंदी नहीं, अंग्रेजी से हमारी भाषाओं को खतरा है। आज देश के सब हिस्सों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बाढ़–सी आ गयी है। पिछले कुछ सालों में मुंबई में मराठी और हिंदी माध्यम के सौ से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं। चिंता इस बात की होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है, और कैसे इस प्रवृत्ति को रोका जाये। हमारी भाषाएं हमारी पहचान हैं। चिंता इस पहचान को बचाये रखने की होनी चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

धर्म पर नहीं, मानवता पर चली पहलगाम की गोलियाँ

–प्रियंका सौरभ–

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ आतंकी हमला सिर्फ एक गोलीबारी नहीं थीकृयह एक ऐसा खौफनाक संदेश था जिसमें गोलियों ने धर्म की पहचान पूछकर चलना शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो आतंकियों ने पहले पर्यटकों से उनका धर्म पूछा, फिर उन्हें जबरन कलमा पढ़ने के लिए कहा, और इंकार करने पर गोली मार दी। यह न केवल एक घृणित धार्मिक कट्टरता का प्रदर्शन था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र भी था, जिसका उद्देश्य कश्मीर में पुनः स्थापित होती शांति और विश्वास को तार–तार करना था। जब किसी को गोली मारने से पहले उसका धर्म पूछा जाता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति की जान का अपमान है, बल्कि उस पूरे समाज का अपमान है जो श्सर्व धर्म समभावश की बात करता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आतंकियों ने पहले शहिंदूश पहचान की पुष्टि की, फिर श्गोलीश को धर्म की रेखा पर खड़ा कर दिया। इससे बड़ा पाखंड क्या होगा कि किसी भी धर्म की आड़ में आतंक फैलाया जाए, जबकि हर धर्म की जड़ में श्मानवताश बसती है।

इस हमले ने यह साबित कर दिया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन आतंकवादी अक्सर धर्म को ढाल बनाकर उसे इस्तेमाल करते हैं। जबरन किसी से कलमा पढ़वाना और न मानने पर जान ले लेना, यह इस्लाम के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है। पैगंबर मोहम्मद ने तो मक्का में भी अपने दुश्मनों को माफ किया थाकृयहाँ तो बेगुनाह पर्यटकों पर गोली चलाई गई।

यह हमला न केवल मानवता पर था, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी हमला था। पहलगाम, जो श्मिनी स्विटजरलैंडश के नाम से जाना जाता है, वहाँ इस तरह की घटना का होना वैश्विक स्तर पर कश्मीर को फिर एक बार श्संवेदनशील और अस्थिरश क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करता है। पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थीकृलोगों ने धीरे–धीरे डर के माहौल से बाहर निकलना शुरू किया था। लेकिन यह हमला उस विश्वास को तोड़ने की कोशिश है।

पर्यटकों की वापसी का मतलब था स्थानीय लोगों की आजीविका का पुनर्जन्म। कश्मीरी दुकानदार, टैक्सी चालक, होटल कर्मचारीकृसभी इस बढ़ते पर्यटन पर निर्भर थे। लेकिन अब, एक बार फिर सैकड़ों पर्यटक कश्मीर छोड़ने लगे हैं। कई बुकिंग्स रद्द हो रही हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा।

'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ), जो कि लश्कर–ए–तैयबा से जुड़ा संगठन माना जाता है, ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सूत्रों का कहना है कि यह हमला पाकिस्तान से संचालित हो सकता है। यदि यह सच है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि यह केवल एक धार्मिक हिंसा नहीं थी, बल्कि भारत की आंतरिक शांति को अस्थिर करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश भी थी।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब भारत चुनावों की तैयारी में जुटा है। क्या यह हमला लोकतंत्र में भय और अविश्वास फैलाने की रणनीति नहीं हो सकती? क्या यह आतंकी ताकतों का एक संकेत नहीं है कि वे अब भी धार्मिक भावनाओं को भड़काकर भारत को अस्थिर कर सकते हैं?

इस हमले में मारे गए पर्यटक की पत्नी के बयान ने पूरे देश को हिला दिया–"मैंने उसे मरते देखा, लेकिन कुछ नहीं कर सकी।" यह वाक्य किसी भी भाषण या नारे से कहीं ज्यादा असरदार है। एक महिला की चीख, एक बच्चे का रोना, एक पर्यटक का डर– किसी चुनावी भाषण या न्यूज चैनल की बहस से नहीं मिटते।

यह हमला न केवल गोली से मारे गए व्यक्ति का अंत था, बल्कि एक पूरे परिवार की स्थिरता का अंत था। यह उस महिला की नींद का अंत था, जो अब शायद जिंदगीभर अपने पति की लाश की छवि नहीं भूल पाएगी। और यह उस भरोसे का अंत था, जो उसने भारत की सुरक्षा पर किया था।

सरकार की ओर से इस हमले की निंदा की गई और सुरक्षा बलों को सतर्क किया गया। परंतु सवाल यह उठता है कि क्या निंदा पर्याप्त है? क्या हम उस स्तर पर इंटेलिजेंस नेटवर्क खड़ा कर पाए हैं कि ऐसे हमलों को रोका जा सके? कश्मीर में बार–बार 'अस्थिरता के बाद स्थिरता और फिर आतंक' का यह चक्र कब टूटेगा?

यह ध्यान देने योग्य है कि कश्मीरी समाज के कई मुसलमानों ने इस घटना की खुलकर निंदा की। कुछ स्थानीय व्यापारियों ने पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इससे स्पष्ट होता है कि आतंकवाद को समर्थन स्थानीय नहीं, बाहरी है। कट्टरता कश्मीर की मिट्टी से नहीं, बाहर से आयात होती है।

हम सबको सोचना होगा कि ऐसे मामलों में केवल गुस्सा जाहिर करना काफी नहीं है। हमें नीतियों में बदलाव चाहिए। कश्मीर में स्थायी शांति तभी संभव है जब– धार्मिक शिक्षा में सहिष्णुता को प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय युवाओं को रोजगार और भविष्य का भरोसा मिले।

कट्टरता के प्रचार पर तकनीकी सेंसरशिप लगे। आतंकी नेटवर्क को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से अलग–थलग किया जाए।

निष्कर्ष– यह लड़ाई 'धर्म' की नहीं, 'मानवता' की है

इस लेख के माध्यम से मैं एक सवाल छोड़ना चाहती हूं–क्या हम इतने असहाय हो गए हैं कि किसी का धर्म पूछकर उसे मारने वालों को केवल श्आतंकीश कहकर छोड़ दें? यह समय है जब हमें मिलकर कहना होगा कि जो धर्म के नाम पर जान ले, वह किसी धर्म का अनुयायी हो ही नहीं सकता।

यह हमला केवल एक पर्यटक की हत्या नहीं है, यह हमारी आत्मा पर हमला है। हमें इस चुप्पी को तोड़ना होगा। हमें न केवल आतंकी संगठन टीआरएफ से सवाल करना चाहिए, बल्कि उन शक्तियों से भी जो इन्हें पनाह देती हैं, और उन राजनीतिक दलों से भी जो इस दुख का इस्तेमाल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं।

पहलगाम की घाटियों में बहती नदियों का पानी अब पहले जैसा नहीं रहा–वहाँ अब एक सवाल तैरता है– "कब तक धर्म की पहचान मौत का पैमाना बनी रहेगी?"

पारग्रही जीवन के संकेतों की तलाश

–डॉ. शशांक द्विवेदी–

काफी समय से यह सवाल उठता रहा है कि क्या पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड के किसी दूसरे ग्रह पर जीवन मौजूद है? क्या किसी ग्रह पर एलियंस की मौजूदगी है–एलियंस का घर है? इन सवालों का जवाब जानने और नए–नए ग्रहों की खोज करने में हजारों वैज्ञानिक दिन–रात जुटे हुए हैं। मगर अब एक भारतीय वैज्ञानिक को अपनी खोज में ऐसी सफलता हाथ लगी है, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है।

भारतीय वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन ने एक ऐसी खोज की है, जिससे दुनिया आश्चर्यचकित है। आईआईटी –बीएचयू और एमआईटी से पढ़े इस वैज्ञानिक ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अपनी टीम के साथ जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से 120 प्रकाश वर्ष दूर एक खास ग्रह के2–18बी (ज्ञ2–18इ) को देखा–परखा।

डॉ. मधुसूदन की खोज में इस ग्रह पर जीवन के पुख्ता संकेत मिले हैं। इनमें डाइमिथाइल सल्फाइड (डीएमएस) नाम का एक खास अणु मिला है जो पृथ्वी पर सिर्फ जीव बनाते हैं– जैसे समुद्री पौधे। वहां मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी हैं, जो बताती हैं कि ग्रह हाइसीन वर्ल्ड है– यानी ऐसा ग्रह, जहां ढेर सारा पानी और हाइड्रोजन भरा वातावरण हो, जो जीवन के लिए उपयुक्त हो सकता है।

डॉ. मधुसूदन ने ही सबसे पहले हाइसीन ग्रहों की बात दुनिया को बताई थी। उनकी खोज 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' में छपी है और इसे अब तक का सबसे बड़ा जीवन का सबूत माना जा रहा है। यह खोज उस सवाल को भी हवा देती है कि अगर ब्रह्मांड में जीवन है, तो हमने अब तक एलियंस क्यों नहीं देखे? डॉ. मधुसूदन का जवाब है कि अगर इस ग्रह पर जीवन मिला, तो शायद हमारी आकाशगंगा में जीवन हर जगह हो!

डॉ. निक्कू मधुसूदन ने पहले के2–18बी ग्रह को खोजा , फिर रिसर्च में पता किया है कि इस ग्रह के वायुमंडल में हाइड्रोजन मौजूद है। इस ग्रह के वायुमंडल में भारी हाइड्रोजन पायी जाती है। रिसर्च के दौरान ये भी पता चला है कि इस ग्रह पर महासागर है। ऐसे में यहां जीवन की संभावना काफी है। बता दें कि यह ग्रह पृथ्वी से 120 लाइट इयर दूर यानी 1.13 ट्रिलियन किलोमीटर दूर है। तारा के2–18

दूसरे ग्रहों पर जीवन की मौजूदगी का पता लगाने में वैज्ञानिक जुटे हैं। भारतीय वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन की खोज इस दिशा में काफी अहम है। जिन्होंने टेलीस्कोप से 120 प्रकाश वर्ष दूर सौरमंडल के बाहर के ग्रह के2–18बी को देखने पर पाया कि यह ग्रह हाइसीन वर्ल्ड है– यानी जहां प्रचुर पानी और हाइड्रोजन भरा वातावरण जीवन के लिए अनुकूल हो।

हमारे सूरज की तुलना में छोटा और नया है। इसकी मोटाई सूरज की 45 फीसदी और आयु लगभग पौने तीन अरब साल है। ध्यान रहे, हमारे सूरज की उम्र का हिसाब पांच अरब साल के आसपास लगाया गया है। के2–18 की सतह का तापमान भी सूरज के आधे से थोड़ा ही ज्यादा है। इसका तकनीकी नाम ब्राउन ड्वार्फ है लेकिन अभी हम 'लाल तारा' ही चलाते हैं।

इस तारे के इर्दगिर्द घूमने वाला भीतर से दूसरा ग्रह के2–18बी पृथ्वी से काफी बड़ा है। इसकी त्रिज्या पृथ्वी की ढाई–तीन गुनी है। इस हिसाब से इसका वजन पृथ्वी का 20–25 गुना होना चाहिए था, बशर्ते इसकी बनावट पृथ्वी जैसी ही होती। लेकिन वजन में यह पृथ्वी का साढ़े आठ से दस गुना ही है। इससे एक बात साफ है कि इसका घनत्व पृथ्वी से काफी कम है। ऐसा वहां लोहा कम होने के चलते भी हो सकता है और ग्रह में द्रव–गैस ज्यादा होने से भी।

एक अच्छी बात इस ग्रह के साथ यह है कि यह अपने तारे के गोल्डिलॉक जोन में पड़ता है। यानी पानी वहां द्रव अवस्था में मौजूद हो सकता है। ग्रह का औसत तापमान 23 डिग्री से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच होने का अनुमान लगाया गया है। यह खुद में एक आश्चर्यजनक बात ही है क्योंकि अपने तारे के इर्दगिर्द इसकी कक्षा हमारे सौरमंडल में बुध ग्रह की तुलना में आधी से भी छोटी है। डॉ॰ मधुसूदन के अनुसार समुद्र की सबसे आम वनस्पति और समुद्री खाद्य शृंखला की बुनियाद समझे जाने वाले फाइटोप्लैंक्टन द्वारा उत्सर्जित कुछ गैसें पृथ्वी के वातावरण में जिस अनुपात में पाई जाती है, ज्ञ2–18बी पर इनकी उपस्थिति उसकी कम से कम हजार गुना प्रेक्षित की गई है। तो क्या एक सुदूर तारे के इर्दगिर्द घूम रही इस दुनिया में समुद्रों की भरमार है, जहां समुद्री जीवन की नींव के रूप में फाइटोप्लैंक्टन की फसलें लहलहा रही हैं?

बता दें कि भारत में 1980 में जन्मे, डॉ. मधुसूदन ने वाराणसी स्थित आईआईटी, बीएचयू से बीटेक की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मास्टर डिग्री के साथ–साथ पीएचडी भी की। साल 2009 में उनकी पीएचडी थीसिस हमारे सौर मंडल के बाहर के ग्रहों के वायुमंडल का अध्ययन करने के बारे में थी, जिन्हें एक्स्ट्रासोलर ग्रह कहा जाता है।

कुल मिलाकर अब वैज्ञानिकों की नजर इस ग्रह पर आ टिकी है। इस ग्रह पर गहरा शोध किया जा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में जैसे–जैसे इस ग्रह के रहस्य से पर्दा उठेगा, कई हैरान कर देने वाले खुलासे वैज्ञानिक कर सकते हैं।–लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

मंदिर के पुजारी की गोली मारकर हत्या, एक दिन पहले ढूंढते हुए आए थे 2 युवक

संवाददाता—बलरामपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत दिपवा बाग बांध निकट गुरुवार सुबह मंदिर पुजारी का शव पड़ा मिला। पुजारी की हत्या गोली मारकर की गई है। शव मिलने से मोहल्ले में सनसनी फैल गई। पुजारी को दो लोग बुधवार शाम के वक्त ढूंढते मंदिर गए थे। वे पुजारी का फोन नंबर उसके भाई से लाये थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुजारी के भाई ने तहरीर में एक व्यक्ति को नामजद किया है। जबकि घटना में कई लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। कातिलों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीम बनाई गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कोतवाली नगर के मोहल्ला खलवा के रहने वाले 28 वर्षीय शत्रोहन द्विवेदी उर्फ बाबू झारखंडी मंदिर स्थित राधाकृष्ण मंदिर में पुजारी थे। उनके पिता कृष्ण कुमार व भाई सेवक दास उर्फ मुन्ना पंडित भी वहीं पुजारी का काम करते हैं। सेवक दास के मुताबिक बुधवार शाम दो लोग मंदिर आए थे। जो बाबू के बारे में पूछताछ कर रहे थे। बाबू का मोबाइल नम्बर मांग रहे थे। उनका परिचय और बाबू से क्या काम है पूछने पर बिना बताए चले गए। सेवक दास ने उन्हें बाबू का फोन नंबर दे दिया था। रात में बाबू घर नहीं लौटे तो खोजबीन शुरू हुई लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका।

बुधवार रात बाबू के पिता कृष्ण कुमार द्विवेदी की तबीयत खराब हो गई थी उन्हें अस्पताल ले जाना था। सेवक दास ने रात डेढ़ बजे बाबू को फोन मिलाया तो स्वीच ऑफ मिला। खलवा मोहल्ला से दिपवाबाग की दूरी बमुश्किल 200 मीटर है। खलवा मोहल्ले के लोग दिपवाबाग निकट खेती किसानी का काम करते हैं। सुबह कुछ लोग खेत की ओर घूमने गए थे तो वहां उन्होंने बाबू का शव पड़ा देखा। घटना की सूचना सेवक दास को दी गई। बाबू के मृत पाए जाने की सूचना पर उनके परिवारीजन रोने चिल्लाने लगे। मौके पर जाकर देखा तो शव का बाबू का ही था। सीने में सुराख था, उसके चारो ओर जलने के निशान थे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। शव को पोस्टमार्टम भेज पुलिस कातिलों की तलाश कर रही है।

सूचना मिलते ही प्रभारी कोतवाल संतोष कुमार, उप निरीक्षक अजीत कुमार, अर्जुन सिंह व अन्य पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। थोड़ी ही देर में सीओ सिटी ज्योति श्री फोरेंसिक टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंच गईं। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए। वरिष्ठ नेता भुवन प्रताप सिंह व प्रवेश दूबे मोनू भी मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक विकास कुमार को दी गई। उन्होंने घटना राजफाश के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की हैं। 24 घंटे के भीतर घटना राजफाश कर गिरफ्तारी का निर्देश दिया है। पुलिस टीम ने झारखंडी मंदिर के निकट कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकाले हैं। जो लोग बाबू को बुलाने गए थे, उनकी पहचान भी पुलिस ने कर ली है। बताया जाता है कि अभियुक्तों ने बाबू को फोन किया तो पता चला कि वह मेजर चौराहे पर हैं। वहीं से उन्हें जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बैठाकर दिपवाबाग की ओर लेकर चले गए। घटना क्यों की गई इसका पता अभी तक नहीं चल सका है। बाबू को करीब से गोली मारी गई है। जानकारों की मानें तो 315 बोर के तमंचे को सीने से सटाकर फायर किया गया है। मौके पर काफी खून बिखरा पड़ा मिला है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि अभियुक्तों की शीघ्र ही गिरफ्तारी कराई जाएगी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई आगे बढ़ेगी। वहीं मुन्ना ने बताया कि उनके भाई की किसी से दुश्मनी नहीं थी। उसके बेगुनाह होने के बावजूद बेरहमी से कत्ल किया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-बूढ़ौवा वि0ख0 गौर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–04 2025 से 02–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 02–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(विन्दू यादव) ग्राम प्रधान (सुधीर सिंह) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-इटहर वि0ख0 बनकटी जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–04 2025 से 02–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 02–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(सुमन देवी) ग्राम प्रधान (आशुतोष पटेल) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-सिकराखुर्द वि0ख0 बनकटी जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–04 2025 से 02–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 02–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 03.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(लक्ष्मी) ग्राम प्रधान (आशुतोष पटेल) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-गोविन्दपुर वि0ख0 बनकटी जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–04 2025 से 02–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 02–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 04.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(लक्ष्मी) ग्राम प्रधान (आशुतोष पटेल) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-चंदुआ महराई वि0ख0 बनकटी जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–04 2025 से 02–05–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 03–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, हयूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(रामकवल) ग्राम प्रधान (आशुतोष पटेल) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

पहलगाम में मौत के बाद बॉर्डर पर पहुंचा नेपाल के युवक का शव, परिजनों को सौंपा

संवाददाता—महराजगंज। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के उपप्रधान त्रिपाठी व नेपाल प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में नेपाली युवक के शव को नेपाल प्रशासन को सुपुर्द कर दिया गया। सोनौली बॉर्डर पर पहुंचे मृत युवक के परिजन का रो–रो कर बुरा हाल हो गया था। युवक के परिजनों ने भारत सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

परिजनों के अनुसार गुरुवार को नेपाली युवक का नेपाल के बुटवल में अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस घटना से नेपाल के लोगों में काफी रोष है और लोग आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कश्मीर घूमने जाने वालों की सुरक्षा की मांग भी की जा रही है।

आतंकी हमला कायरतापूर्ण, सरकार करेगी सख्त कार्रवाई –पंकज

संवाददाता—महराजगंज। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर हर किसी में आक्रोश है। केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने इस घटना को कायरतापूर्ण और अत्यंत निंदनीय करार देते हुए कहा कि सरकार इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है।

केन्द्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में टूरिस्टों पर जो आतंकवादी हमला हुआ है, वह बेहद कायरतापूर्ण घटना है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाना न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि यह देश की एकता और शांति को चुनौती देने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह स्वयं जम्मू–कश्मीर पहुंच गए हैं और हालात की निगरानी कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी विदेश यात्रा बीच में छोड़ दी है और वापस लौट आए हैं, जो इस मामले की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं और हमले में शामिल आतंकियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने देशवासियों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

शौचालय, सोलर लाइट घोटाले में दो पूर्व प्रधानों के खिलाफ आरसी जारी

संवाददाता—महराजगंज। ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं व लाभार्थीपरक योजनाओं की धनराशि में गबन के मामले में डीएम अनुनय झा ने बड़ा एक्शन लिया है। दो ब्लाकों के दो ग्राम पंचायतों में व्यक्तिगत शौचालय व सोलर लाइट घोटाले के आरोपों की पुष्टि के बाद दोनों गांव के पूर्व प्रधानों के खिलाफ रिकवरी का आदेश जारी किया है। इनसे भू राजस्व अधिनियम के तहत धनराशि वसूल की जाएगी।

पहला मामला निचलौल ब्लाक के बूढ़ाहीड कला गांव का है। यहां एक व्यक्ति ने गांव में वर्ष 2020–21 में पूर्व प्रधान द्वारा इंटरलाकिंग, शौचालय निर्माण समेत अनेक कार्यों में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया था। इसके क्रम में इसकी जांच मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अधिशासी अभियंता प्रतीय खंड ने संयुक्त रूप से की। इंटरलाकिंग कार्य में कुछ काम सही मिला लेकिन कुछ कार्य में माप पुस्तिका व अन्य अभिलेख नहीं मिले। कुछ पत्रावली भी नहीं मिली। वहीं गांव के नौ लोगों को बिना शौचालय निर्माण कराए ही भुगतान का मामला पकड़ में आया। इन लोगों ने बताया कि उन्हें शौचालय निर्माण के लिए कोई धनराशि नहीं मिली है। जबकि इनके नाम से धनराशि निकाल ली गई है। जांच में यह बात सामने आयी कि नौ शौचालयों का एक लाख आठ हजार रूपये की वित्तीय अनियमितता हुई है। इस पर डीएम ने पूर्व प्रधान राजेश प्रजापति व तत्कालीन सचिव (वर्तमान में सेवानिवृत्त) मुक्तिनाथ गुप्ता को दोषी मानते हुए रिकवरी का आदेश जारी किया है। डीएम अनुन्य झा ने पंचायत राज अधिनियम की धारा 27 के अन्तर्गत तत्कालीन सचिव व पूर्व प्रधान राजेश प्रजापति से गबन की गई धनराशि में से बराबर बराबर 54000–54000 रुपये को वसूल करके राजकोष में जमा कराने का आदेश दिया है। दूसरा मामला लक्ष्मीपुर ब्लाक के बहोरपुर गांव का है। यहां पूर्व प्रधान शब्बीर अहमद पर आरोप पुष्ट हुआ है कि 136 शौचालयों को पूर्ण न कराकर 16 लाख 32 हजार रुपये व सात अदद सोलर लाइट न लगवाकर एक लाख 63 हजार 450 रुपये का गबन किया गया है। इस प्रकार 17 लाख 85 हजार 450 रुपये का दुरुपयोग साबित हुआ है। गबन की गई धनराशि को पूर्व प्रधान शब्बीर अहमद से भू राजस्व की भांति वसूली व तत्कालीन सचिव मिलिन्द चौधरी के वेतन से बराबर–बराबर धनराशि के वसूली का आदेश जारी किया गया था। लेकिन पूर्व प्रधान व तत्कालीन सचिव ने गबन की गई धनराशि को जमा नहीं किया। इस पर डीएम अनुनय झा ने एसडीएम नौतनवा को निर्देश दिया है कि गबन की गई धनराशि में से पूर्व प्रधान से भू राजस्व की भांति आठ लाख 97 हजार 725 रुपये को वसूल कर ग्राम निधि एक खाता में जमा कराएं। वहीं तत्कालीन सचिव से भी इतनी ही धनराशि वसूल किए जाने का आदेश दिया है।

वित्तीय अनियमितता में दो गांवों के पूर्व प्रधानों व तत्कालीन सचिवों से रिकवरी का आदेश हुआ है। जरूरत पड़ने पर अन्य विधिक कार्रवाई भी होगी।

प्रेमी–प्रेमिका ने सल्फास खाकर दी जान अर्धनग्न हालत में मिले दोनों के शव

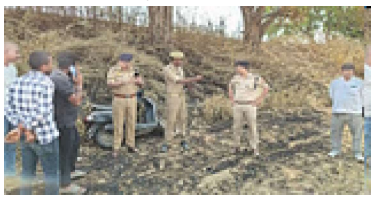

संवाददाता–गोरखपुर। मानीराम में एक युवक और युवती ने जहर खाकर जान दे दी। दोनों की अर्धनग्न हाल में लाश मिली। इससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के शरीर पर सिर्फ अंडरवियर था तो वहीं युवती के भी कपड़े अस्त–व्यस्त थे। पास में पड़ी स्कूटी से उनकी पहचान विश्वनाथ और नीतू के रूप में हुई। सूचना मिलने पर चिलुआताल पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित करने के बाद दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चिलुआताल इंस्पेक्टर अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों कैम्पियरगंज इलाके के रहने वाले हैं। युवक विश्वनाथ कैम्पियरगंज के बजहा गांव का है तो वहीं युवती नीतू कैम्पियरगंज के कुंजलगढ़ की रहने वाली है। उनके पास सल्फास की डिब्बी पड़ी थी। आशंका है कि दोनों स्कूटी से आए और एक साथ सल्फास खाकर जान दे दी। दोनों का शव कुछ दूरी पर मिला है वहीं स्कूटी भी कुछ दूरी पर थी। ऐसे में आशंका है कि सल्फास खाने के बाद जब शरीर में बेचैनी बढ़ी है तब युवक ने अपना कपड़ा निकाल कर फेंक दिया है और इधर–उधर भाग कर बचने का प्रयास किया है। वहीं, लड़की भी तड़प रही थी। उसका भी दुपट्टा कुछ दूर गिरा हुआ था।

पुलिस ने बताया कि दोनों के परिजनों को सूचना दे दी है। उनके पहुंचने के बाद स्थिति साफ हो पाएगी। इस मामले में एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्कूटी के आधार पर युवक और युवती की पहचान कर ली गई है। दोनों कैम्पियरगंज के अलग–अलग गांव के रहने वाले हैं। शुरुआती जांच में मौत की वजह जहर सामने आ रही है। उन्होंने जहर क्यों खाई इसकी जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान का पुतला फूंककर की नारेबाजी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार शाम इटवा चौराहे पर पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला फूंका।

पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला आतंकियों का कायराना कृत्य है। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने जाति पूछकर गोली मारी, जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद मुर्दाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। पूर्व मंत्री ने सरकार से मांग की कि हमले में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए। ताकि भविष्य में कोई ऐसी घटना को अंजाम देने का साहस न करे। इस दौरान कार्यक्रम में नगर पंचायत इटवा के चेयरमैन विकास जायसवाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजेंद्र दुबे समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शादी के 2 महीने बाद ही सनकी पति ने बीवी की गला घोंटकर की हत्या, बड़े भाई पर भी किया हमला

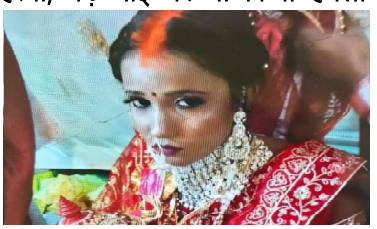

संवाददाता–गोरखपुर। एक युवक ने गुरुवार की भोर में अपनी नव विवाहित पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। जबकी दूसरी मंजिल पर सो रहे बड़े भाई पर भी हमला कर घायल कर दिया। पिता ने घायल बेटे को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपित को हिरासत में ले लिया है। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य इकट्ठा किया है। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगा रही है।

ये घटना गुलरिहा क्षेत्र के नारायनपुर का है। हीरागंज के रहने वाले आतिश की पत्नी पूजा ने बताया कि रात में छोटे देवर सतीश चौहान खाना खाने के बाद पत्नी के साथ अपने कमरे में सोने चले गए। सुबह अपने कमरे से निकलकर पहली मंजिल पर जाकर सोफे पर लेट गए। जब मैं उठी और नित्य कर्म के लिए चली गई। इसके बाद सतीश अपने बड़े भाई के कमरे में गया और बंसूली से मेरे पति के सिर पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर आवाज सुनकर घरवाले पहुंचे तो सतीश भाग निकला। इधर जब नीचे नव विवाहित बहू सरोज के कमरे में घरवाले पहुंचे तो दुल्हन अपने बेड पर अर्धनग्न अवस्था में मृत पड़ी थी। जिसके कान से खून बाहर निकला हुआ था।

शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और गुलरिहा पुलिस को सूचना दी गई। इधर घायल के पिता अमरजीत चौहान अपने घायल बेटे आतिश को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए। बताया जा रहा है कि सतीश कुछ दिनों से अत्यधिक शराब पी रहा था और पत्नी से विवाद के बाद उसकी हत्या कर दी और छत पर जाकर सोफे पर लेट गया। ज्यों ही बड़ी भाभी पूजा कमरे से बाहर निकली तो बड़े भाई पर बसूली से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

मृतका की शादी 13 फरवरी को हुई थी जिसके एक सप्ताह बाद विदा होकर मायका पिपरहिया जिला महराजगंज चली गई थी। 21 अप्रैल को दोबारा विदा होकर आई थी और बुधवार की शाम चूल्हा छूने की रस्म पूरी कर घरवालों के लिए पकवान बनाई थी। सभी खाना खाकर सो गए थे।

कांग्रेस ने बाबा साहब को लंबे समय तक नजरअंदाज किया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा क्षेत्र के पचमोहनी, पैंदानानकार, तिघरा घाट गांव में गुरुवार को पूर्व मंत्री डॉ.सतीश द्विवेदी ने अनुसूचित वर्ग जनसंपर्क अभियान चला कर भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब को लंबे समय तक नजरअंदाज किया। 1990 में भाजपा समर्थित संयुक्त मोर्चा की सरकार ने डॉ. आंबेडकर को भारत रत्न प्रदान किया। उन्होंने कहा कि संसद के सेंट्रल हॉल में उनका चित्र भी लगवाया गया। मोदी सरकार ने संविधान निर्माता बाबा साहब को सम्मानित करते हुए सुप्रीम कोर्ट परिसर में उनकी मूर्ति लगवाई और उनके जन्मस्थान महू छात्र जीवन के आवास लंदन, कानून मंत्री रहते हुए नई दिल्ली के आवास, दीक्षा भूमि नागपुर और उनके अंतिम संस्कार स्थली मुंबई की चैत्य भूमि पर स्मारक बनाकर आंबेडकर पंचतीर्थ का नाम दिया। मोदी सरकार ने 120 देशों में आंबेडकर स्मृति समारोह आयोजित कराए। 2016 में संयुक्त राष्ट्र में पहली बार आंबेडकर जयंती मनाने की पहल की गई। उन्होंने बताया कि 2024 में संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बाबा साहब के सपनों का साकार रूप बताया। कार्यक्रम में भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष केदारनाथ आजाद, वरिष्ठ अधिवक्ता राधेश्याम वरुण और उपदेशक गौतम को सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश पाण्डेय, संतोष गुप्त, दिनेश गौतम, राजकुमार गौतम, कनिकराम गौतम, शैलेश गौतम आदि मौजूद रहे।

भूमिपूजन कर रखी गई पुलिस बूथ की आधारशिला

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के भटगवा में पुलिस बूथ के निर्माण को लेकर गुरुवार को पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित, ग्राम प्रधान विष्णु श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन कर आधारशिला रखी। पूर्व विधायक ने कहा कि भटगांव गांव में पुलिस बूथ की स्थापना से सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी। अराजकतत्वों पर नकेल कसने में आसानी होगी। एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित ने कहा कि पुलिस बूथ का निर्माण हो जाने के बाद यहां हमेशा पुलिस कर्मियों की तैनाती रहेगी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रहेगी। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव, लवकुश ओझा, विनोद श्रीवास्तव, दिलीप पाण्डेय, संतोष अग्रहरि, चंद्रभान अग्रहरि, प्रेम पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0– 596
अदालत– श्रीमान उप संचालक चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रणंजय सिंह आदि
बनाम
आलोक प्रताप सिंह आदि
1. आलोक प्रताप सिंह पुत्र अजय सिंह 2. श्रीमती सरोज सिंह पत्नी अजय सिंह 3. सुनील कुमार सिंह 4. प्रेम कुमार सिंह 5. अरुण प्रकाश सिंह पुत्रगण लल्लन सिंह 6. बैभव सिंह पुत्र अनिल सिंह 7. श्रीमती विभा सिंह पत्नी अनिल सिंह निवासीगण ग्राम मैलानी तप्पा ऊन परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
8. सोभना देवी पत्नी रामसुरेश 9. सुरभि सिंह पत्नी दिग्विजय सिंह 10. पियूष सिंह 11. प्रशान्त सिंह पुत्रगण कृष्ण कुमार सिंह 12. सुधा सिंह पत्नी अनिल कुमार सिंह निवासीगण ग्राम मैलानी तप्पा ऊन परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 05–05–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 05 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 22 माह 04 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

चौरीचौरा मां–बेटी हत्याकांडः फरार नामजद आरोपी बेटा–बेटी को दे रहे धमकी, जान का खतरा, सीएम से की फरियाद

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के शिवपुर चकदहा में हुए डबल मर्डर का पुलिस 27 दिन बाद भी खुलासा नहीं कर सकी। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद आरोपी कोटेदार के पुत्र के विरुद्ध केस दर्ज कर जेल भेज दिया था, बाकी नामजद आरोपी, कोटेदार, उसके आर्मी से रिटायर बेटे के साथ अन्य को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

बृहस्पतिवार को मां–बहन के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग व आए दिन मिल रही जान से मारने की धमकी से आजिज आकर खुशबू ने अपने भाई व ग्रामीणों के साथ प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता की। खुशबू ने ये आरोप पुलिस पर लगाए। उसने कोटेदार के परिजनों व नात–रिश्तेदारों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है।

उसने सुरक्षा की गुहार भी की है। सीएम के नाम से ज्ञापन भी भेजा है। जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा के शिवपुर चकदहा गांव में 29 मार्च की देर रात करीब 1:30 बजे मां–बेटी पूनम (45) और अनुष्का (13) की गड़ासे से मारकर निर्मम तरीके से हत्या की गई थी। सूचना पर पहुंची चौरीचौरा पुलिस ने घटना स्थल पर छानबीन की थी। तब पूनम का एंड्रोवियस मोबाइल वहां नहीं मिला था। जांच में पता चला था कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पूनम का मोबाइल लेकर भाग गए थे। घटना के समय आरोपियों ने पूनम की बड़ी बेटी खुशबू को दूसरे कमरे में बंद कर दिया था।

पुलिस ने आकर दरवाजा खोलकर उसे बाहर निकाला था। खुशबू की तहरीर पर पुलिस ने मुख्य आरोपी के रूप में संजय उर्फ शैलेंद्र, उसके पिता कोटेदार सरजू, भाई सुरेंद्र और दो अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज किया था। मुख्य आरोपी संजय को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया था।

इधर, पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं होता देख व आए दिन भाई–बहन को मिल रही धमकी से परेशान खुशबू ने अपने भाई विशाल निषाद के साथ प्रेस क्लब पहुंची। उसने सीएम को संबोधित प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि पुलिस प्रशासन उसकी मदद करने की बजाय प्रताड़ित कर रही है। इधर आरोपी के परिजन व नात रिश्तेदार उसे मारने की धमकी दे रहे है। लगातार धमकी मिलने से वह सहमी हुई है। आरोपी उसे व उसके साथ कभी भी अनहोनी की घटना घटित करवा सकते है।

आरोपी कोटेदार के परिजनों की तरफ से मिल रही धमकी से परेशान खुशबू अपने भाई विशाल निषाद के साथ आठ दिन से अपने मौसी पिपराईच के चिलबिलवा वनटंगिया टोला निवासी सुमन देवी पत्नी दिनेश के यहां रह रही है। खुशबू ने बताया कि पुलिस सिर्फ उस पर ही दबाव बना रही है।

पुलिस कह रही तुम्हे कही नहीं जाना है। इधर आरोपी के परिजन हमदोनों भाईयों को जान से मारने पर तुले है। वहीं हत्या के आरोपी कोटेदार के परिजन, संजय की पत्नी खुलेआम गांव में घूमते हुए धमकी दे रही है। पुलिस उनपर किसी प्रकार का अंकुश नहीं लगा पा रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी भोकई पुत्र चन्दन ग्राम– गोनरा पोस्ट– विडरा तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर का निवासी है। मेरे आधारकार्ड में पहले पिता का नाम सही अंकित था लेकिन अपडेट कराने पर पिता के नाम के स्थान पर पुत्र का नाम और पुत्र के स्थान पर पिता का नाम अंकित हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर भोकई पुत्र चन्दन ग्राम– गोनरा पोस्ट– विडरा तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान एकादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–548/2000
कृष्णदेव
बनाम
मल्लू
1/1 महेश पुत्र स्व0 मल्लू मौजा लखनौरा तप्पा कडर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती पो0 पुरानी बस्ती थाना पुरानी बस्ती
तारीख पेशी 07–05–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–654/89
हीरा आदि
बनाम
हकीम आदि
21/1 अजमत अली 21/2 नियाज अली 21/3 इंसान अली 21/4 सरफराज अली 21/5 इमाम अली पुत्रगण इशहाक 21/6 श्रीमती सुन्नती पत्नी इशहाक साकिनान मौजा देउरी तप्पा करौं परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 23–05–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–176/2011
रमई
बनाम
जगन्नाथ आदि
2/1 घनश्याम उम्र 40 वर्ष 2/2 राधेश्याम उम्र 26 वर्ष पुत्रगण दयाराम साकिनान गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 19–05–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

सातवीं की छात्रा ने लगाई फांसी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के भानपुरानी गांव में गुरुवार को कक्षा सातवीं की छात्रा ने फांसी पर लटककर जान दे दी। इससे परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने पंचनामा कर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। भानपुरानी गांव निवासी राकेश पाण्डेय की पुत्री सुंदरी पाण्डेय (15) ने गुरुवार को दिन में करीब 11रू30 बजे घर के बगल स्थित पुराने मकान में साड़ी के फंदे के सहारे टीन शेड की पाइप से लटककर जान दे दी। कुछ देर बाद घटना की जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया। किसी ने मामले की जानकारी भवानीगंज पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। परिजनों ने बताया कि सुंदरी गांव के करीब स्थित भानपुर मस्जिदया के कंपोजिट विद्यालय में कक्षा सात की छात्रा थी। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि परिजन शव का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे। शव का पंचनामा कर उन्हें सौंप दिया गया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 774/2023
अरविन्द कुमार
बनाम
जमुना
1. जमुना उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र छबिलाल निवासी ग्राम हटवा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 17–05–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

पंचायती राज दिवस पर 20 ग्राम प्रधानों का सम्मान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने मधुबनी, बिहार से देश की पंचायतों को संबोधित किया। सिद्धार्थनगर के अंबेडकर समागार में इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया।

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर, मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार और सांसद दुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों से चकमार्गों को कब्जा मुक्त कराने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि मिड्डी पटाई का कार्य प्राथमिकता से कराया जाए।

साथ ही बुधवार और शनिवार को होने वाले बीएचएनडी दिवस में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्रासन कराने का आग्रह किया। मॉडल ग्राम पंचायतों में ई–रिक्शा से कूड़ा एकत्रीकरण की व्यवस्था की गई है।

मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार ने बताया कि 73वें संविधान संशोधन से ग्राम पंचायतों को विकास कार्य कराने का अधिकार मिला है। पंचायत भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में ग्राम प्रधानों की अहम भूमिका है।

कार्यक्रम में जनपद के सभी विकास खंडों से 20 ग्राम प्रधानों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल ने सभी को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की बधाई दी।

कार्यकर्ताओं में वितरित किए गए आधुनिक स्वास्थ्य उपकरण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर नगर पंचायत कार्यालय पर गुरुवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में आधुनिक स्वास्थ्य उपकरण वितरण को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चेयरमैन अजय गुप्त ने कार्यकर्ताओं में हाइट मशीन, वेट मशीन, बेबी स्केल, इन्फेंटो मीटर और स्टैडियो मशीन वितरित की। उन्होंने कहा कि इन आधुनिक स्वास्थ्य उपकरणों से महिलाओं, बच्चों के सेहत की निगरानी में आसानी होगी। साथ ही यह उपकरण कुपोषण से लड़ने में भी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत का निर्माण जमीनी स्तर से शुरू होता है। इन उपकरणों से बच्चों के वजन और लंबाई की नियमित जांच की जा सकेगी। साथ ही गर्भवती और धात्री माताओं की निगरानी भी की जा सकेगी। इससे स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान होगी। कार्यक्रम में नीलम श्रीवास्तव, ज्ञान कुमारी, मीरा देवी, कविता, मीना देवी, कौशिल्या देवी, सरोज भारती, उमा, मुन्नी देवी, सरिता सिंह, निर्मला आदि मौजूद रहीं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 508/2022
रामकेवल
बनाम
मालती देवी आदि
1. मालती देवी पत्नी विरेन्द्र साकिन रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती
2. माधुरी देवी पत्नी राजकुमार साकिन रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती
तारीख पेशी 07–07–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी घनश्याम पुत्र श्री रामदेव ग्राम– विमौवा बुजुर्ग पोस्ट सेखुई थाना– गोल्हौरा तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा सगा पुत्र अंकित कुमार त्रिपाठी परिवार के कहने, सुनने में नहीं है और आये दिन कलह किया करता है। उसकी बुरी आदतों से परेशान होकर मैने उससे दिनांक 24–4–2025 से अपना सम्बन्ध समाप्त करते हुये चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, आपराधिक कृत्य आदि के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com